महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

बी.ए. पार्ट– प्रथम (2017–18)

पेपर–प्रथम

नोट– यह सलेबस प्राइवेट और रेगुलर दोनों विद्यार्थी के लिए।

कुल पूर्णांक –100 न्यूनतम अंक 36 समय – अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन अध्यापन का माध्यम पंजाबी में हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का है।

पाठ्यक्रम

Section- (A)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में लिखो। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

(10 X 2 अंक = कुल 20 अंक)

(अ) काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' में से अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न (चार प्रश्न) (4 X 2 अंक = कुल 8 अंक)

(ब) एकांगी संग्रह ''छहः दर्शन'' में से अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न (चार प्रश्न) (4 X 2 अंक = कुल 8 अंक)

(स) नावल ''पवित्र पापी'' में से अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न (दो प्रश्न) (2 X 2 अंक = कुल 4 अंक)

Section- (B)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखो। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

(5 X 8 अंक = कुल 40 अंक)

(अ) काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' में से लघुउत्तरात्मक प्रश्न– दो काव्य टुकड़ियों की प्रसंग सहित व्याख्या, एक कविता का भावार्थ/केन्द्रीय भाव (कुल तीन में से कोई दो) (2 X 8 अंक = कुल 16 अंक)।

(ब) एकांगी संग्रह ''छहः दर्शन'' में से लघुउत्तरात्मक प्रश्न– दो वार्तालाप टुकड़ियों की प्रसंग सहित व्याख्या, एक पात्र का पात्र चित्रण (कुल तीन में से कोई दो) (2 X 8 अंक = कुल 16 अंक)

(स) नावल ''पवित्र पापी'' में से लघुउत्तरात्मक प्रश्न– नावल के कथानक में से प्रश्न, नावल की समस्या, पात्र चित्रण (कुल दो में से कोई एक) (1 X 8 अंक = कुल 8 अंक)

Section- (C)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में लिखो। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

(2 X 20 अंक = कुल 40 अंक)

(अ) काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' में से निबंधात्मक प्रश्न– कविता का सार/विषय वस्तु

(ब) एकांगी संग्रह ''छहः दर्शन'' में से निबंधात्मक प्रश्न– एकांगी का सार/ विषय वस्तु/साहित्यक आलोचना।

(स) नावल ''पवित्र पापी'' में से निबंधात्मक प्रश्न– नावल का सार/ विषय वस्तु

पाठ्य पुस्तकेंः–

1. शब्द सवेरा (काव्य संग्रह)– प्रकाशकः पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़
2. पवित्र पानी (उपन्यास) नावलकार–नानक सिंह, प्रकाशकः पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवसिर्टी पटियाला।
3. छः दर्शन (एकांकी संग्रह) प्रकाशकः पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिर्टी, चण्डीगढ़

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

बी.ए. पार्ट– प्रथम (2017–18)

पेपर–द्वितीय

नोट– यह सलेबस प्राइवेट और रेगुलर दोनों विद्यार्थी के लिए।

कुल पूर्णांक –100 न्यूनतम अंक 36 समय – अधिकतम 3 घंटे

सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षा का माध्यम केवल पंजाबी होगा एवं प्रश्नपत्र केवल पंजाबी में ही बनाया जाएगा।
2. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययन अध्यापन का माध्यम पंजाबी में हो एवं गुरूमुखी लिपि ही मान्य होगी।
3. प्रश्न पत्र तीन सैक्शन में बांटा गया है। सैक्शन (A) 20 अंक, सैक्शन (B) 40 अंक एवं सैक्शन (C) 40 अंक का है।

पाठ्यक्रम

Section- (A)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में लिखो। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

(10 X 2 अंक = कुल 20 अंक)

(अ) काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' में शामिल कवियों के जीवन, साहित्क रचना व काव्य शैली सम्बंधी अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न (चार प्रश्न) (4 X 2 अंक = कुल 8 अंक)

(ब) प्रारंम्भ से 1700 ईस्वी तक के पंजाबी इतिहास के धारामूलक सम्बंधी अतिलघुउत्तरात्मक प्रश्न (चार प्रश्न) (4 X 2 अंक = कुल 8 अंक)

(स) अशुद्ध से शुद्ध वाक्य (चार) (4 X 1 अंक = कुल 4 अंक)

Section- (B)

नोटः– निम्नलिखित में से किन्ही पांच को हल करो। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान है।

(5 X 8 अंक = कुल 40 अंक)

(अ) विश्राम चिन्ह (पैराग्राफ) (ब) शब्द जोड़ (आठ) (स) लिंग परिवर्तन (आठ)

(द) वचन परिवर्तन (आठ) (य) अनेकार्थक शब्द (आठ) (र) समानार्थक शब्द (आठ)

(ल) विलोम शब्द (आठ)

Section- (C)

नोटः– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में लिखो। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

(2 X 20 अंक = कुल 40 अंक)

(अ) काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' में शामिल कवियों में से एक कवि का साहित्यक योगदान सम्बंधी प्रश्न।

(ब) प्रारंम्भ से 1700 ईस्वी तक उपजी पंजाबी साहित्यक धारा सम्बंधी प्रश्न। (काव्य संग्रह ''शब्द सवेरा'' के संदर्भ में)

(स) रस, अलंकार एवं छंद का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार। (दो में से कोई एक)

सहायक पुस्तकेंः–

1. पंजाबी साहित दा इतिहास (आदिकाल से 1700 ई.) पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।
2. पिंगल अते अरूज़–जोगिन्दर सिंह, पंजाबी साहित अकादमी, लुधियाना
3. साहित दे रूप– किरपाल सिंह व परमिन्द्र सिंह, लाहोर बुक शॉप, लुधियाना।
4. पंजाबी साहित दी उत्पति ते विकास– किरपाल सिंह व परमिन्द्र सिंह, लाहोर बुक शॉप, लुधियाना।
5. खोज पत्रिका, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।
6. अजोकी पंजाबी दा व्याकरण, पंजाब स्कूल सिखिया बोर्ड़, साहिबजादा अजीत सिंह नगर